| 1

Copyright © 2020 Vhp. | All rights reserved. . . | 1

प्रयाग, दिनांक-08 जनवरी2013

महाकुम्भ के पावन अवसर जहां एक ओर तीर्थराज प्रयाग में संगम तट पर देशभर के पूज्य संत महंत, अखाड़ो का जमावडा लग रहा है वहीं हिन्दुओं की प्रतिनिधि संस्था विश्व हिन्दू परिषद की भी तैयारियां जोरों पर हैं। विहिप राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रकाश शर्मा ने बताया कि महाकुम्भ के अवसर पर देश के वरिष्ठतम संत श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण सहित धर्म संस्कृति एवं राष्ट्ररक्षा से संबंधित अनेकों सम-सामायिक विषयों पर गहरा चिन्तन एवं मंथन करेंगे। आगामी 04 फरवरी से लेकर 16 फरवरी तक कुम्भ मेला क्षेत्र में विहिप के द्वारा अनेकों कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों की तैयारियां आज से विधिवत प्रारम्भ हो गयी हैं। विहिप की 50 वर्षो की यात्रा में महाकुम्भ एवं माघमेला का विशिष्ट स्थान रहा है। चाहे 1966 में प्रथम विश्व हिन्दू सम्मेलन हो या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के आन्दोलन में शिला पूजन एवं शिलान्यास का चरण हो या 2001 में श्रीराम नाम जप का पावन संकल्प हो। गंगा का तट हमेशा इनका साक्षी बना है। कुम्भ मेला हमेशा विहिप के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। इस बार भी संतों की मार्गदर्शक मण्डल की बैठक,10 हजार संतों का संत सम्मेलन एवं देश के कोने-कोने से आए हुए समर्पित एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की बैठक कुम्भ मेला क्षेत्र में ही होने वाली है। इस हेतु तैयारियों का क्रम आज से प्रारम्भ हो गया है। कुम्भ मेला क्षेत्र सेक्टर-6 में बक्शी बांध के निकट उपलब्ध भूमि खण्ड पर दिगम्बर अनी अखाडा के पूज्य श्री सुरेश दास जी, महामण्डलेश्वर उमाकान्तान्द जी सहित अनेक पूज्य संतों की उपस्थिति में विहिप के संरक्षक माननीय श्री अशोक सिंहल एवं संगठन महामंत्री श्री दिनेशचन्द्र जी के गरिमामय सान्निध्य में वेद मंत्रोपचार के बीच भूमिपूजन का कार्यक्रम विहिप के महामंत्री श्री चम्पतराय के कर कमलों द्वारा आज सम्पन्न हुआ।

आगामी दिनों में यहीं से देशभर से आये हुए 10 करोड़ धर्मप्राण भाईयों तथा बहनों को धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र की रक्षा के लिए सजग किया जाएगा। भूमि पूजन के कार्यक्रम में विहिप के केन्द्रीय एवं संत सम्पर्क प्रमुख श्री अशोक तिवारी, बजरंग दल के राष्ट्रीय सहसंयोजक राजेश पाण्डेय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री महावीर जी, प्रान्त संगठन मंत्री मनोज श्रीवास्तव तथा डॉ चन्द्रप्रकाश सहित काशी प्रान्त के अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।